

न्यायालय जज-२ काटकासिम

हुकम या कार्यवाही मय इनिशियल पी. ओ०

दिनांक

६/४

प्राची अध्येक्षता ३५०/ शेष लम्ब होकर हीनांक
३.४.७४ को घेरा रो

९/४

पत्रावली घेरा हुँ। प्रती व उनके अधीक्षता आलेख
मही (कार-२ आयता लम्बाई ०३) को हुँ अर्थात् मही
प्रती व उनके अधीक्षता की अनुपालने से कि प्रशिक्षण
आदेश दीश्वी व आदेश चपरी कि खगोला लिखा जाया हुँ।
पत्रावली की लम्बा अनुमति होकर गन्वार ले काग हो तथा वास्तु
लक्षणीक संज्ञा वास्तु।

४०